

पञ्जाबी आर्य नैम कोर्ट का कारण से पेश हुई।
पञ्जाबी का जवाब का न किया गया। आवेदनवाक शिम
दीपपुरा के ग्रामि ख. नं. ५४९, ५४९/२, ६९३/५४५
की सीमा को पर सी दे ही) पत्वारगदी करवाया साहसे ही
उक्त वर्जित ग्रामि का विधिवत विमलन हो चुका है।
मोकिन वादी गल एवं प्रतिवादी नं. २ ने अपनी शवातेदारी
ग्रामि का विधिवत सी माहान नहीं करवाया है। निचमनुकार
शक रिमाईड शवातेदार को पत्वारगदी करवाने से पूर्व अपनी
शवातेदारी ग्रामि का निचमनुकार सी माहान करवाया जाकर यही
उक्त विवेकन के वादी का छ. पत डा. वारा १२६ आधारहीन
होके के शवातेदारी किया जा रहा है।

पञ्जाबी नैमल सुनार डेकार गमर को काम होकर
हा. शिम ६ पतर हो।

निचम आर्य दिनांक २२-५-१८ को नैम कोर्ट का कारण
से सुनया गया।

उपसुपड अधिकारी
उपसुपड (सुन)